

श्री सिमोन उराँव

Shri Simon Oraon



पद्म श्री

Padma Shri

श्री सिमोन उराँव

झारखंड के रांची जिले के बेरो ब्लॉक में बारह गांवों के उराँव कबीलों के मुखिया (परहा राजा) श्री सिमोन उराँव जल–जंगल–जमीन (जल–वन–भूमि) के सुविख्यात संरक्षक एवं पर्यावरण परिरक्षक हैं।

2. आपका जन्म 15 मई, 1937 को रांची के हरीहरपुर जमतौली गांव में हुआ था और आपको बचपन से ही प्रकृति से घनिष्ठ प्रेम था। आपने स्वयं झाड़ियां काटकर पेड़ उगाए जो अब एक घने जंगल का रूप ले चुके हैं। आपके पारंपरिक ज्ञान तथा कठिन परिश्रम ने प्रौद्योगिकीय प्रणालियों को पीछे छोड़ दिया है। आपने सिंचाई के लिए तीन बांधों, पांच तालाबों तथा दस कुओं का निर्माण किया है। खेतों तक पानी को पहंचाने के लिए साढ़े तीन किलोमीटर लंबी ड्रेनेज (नहर) का निर्माण किया गया है। इसकी वजह से हजारों एकड़ भूमि में सिंचाई की सुविधा उपलब्ध हो पाई है और उसके फलस्वरूप ऊसर भूमि ऊपजाऊ बन गई है और अब किसान धान, सब्जियां तथा अनेक मौसमी फलों का उत्पादन कर रहे हैं। आपके निरंतर प्रयासों की वजह से लोगों की जीवन शैली में परिवर्तन आया है तथा अब ग्रामवासी रोजगार के लिए शहरों में नहीं जाते। यह हरित क्रांति जैसा ही है जिसकी अत्यधिक सराहना हुई है। यहां तक कि विदेशी भी समय–समय आपके काम को देखने के लिए आते हैं और आप शोध का विषय बन गए हैं।

3. आपको अनेक पुरस्कारों एवं सम्मानों से अलंकृत किया गया है। उन्नत कृषि समृद्धि किसान कृषि विकास विभाग, झारखंड सरकार ने झारखंड के स्थापना दिवस के अवसर पर वर्ष 2004 में आपको "किसान सम्मान पत्र" से सम्मानित किया। आपको वन परिरक्षण के लिए झारखंड सरकार के वन एवं पर्यावरण विभाग तथा कृषि एवं गन्ना विकास विभाग द्वारा भी कई पुरस्कारों से नवाजा गया है।



राष्ट्रपति से अलंकरण प्राप्त करते हुए

Receiving the decoration from the President

Shri Simon Oraon

Shri Simon Oraon, Chieftain (Parha-Raja) of Oraon tribals of twelve villages in Bero Block of Ranchi district of Jharkhand is a well known conservator of Jal-Jangal-Jamin (water-forest-land) and environment preserver.

2. Born on May 15, 1937 at Hariharpur Jamtoli village in Ranchi, Shri Oraon loved the nature from his childhood. He himself cleared up bushes and planted trees which have now turned up into a dense forest. His traditional knowledge and hard work has left behind technological systems. He has created three Baandhs (Dam), five ponds and ten wells for the irrigation. Three and half kilometers drainage has been made to reach the water to the field. It has provided irrigation facility to around thousand acres of land. It has changed the barren land into fertile land and the farmers have been growing up paddy, vegetables and many seasonal fruit trees. His sustainable effort has developed the life style of the people and the villagers are not migrating to cities for jobs. It is like a Green-Revolution, which has been highly admired. Even foreigners visit time to time to see his work and he has become the subject of the research.

3. Shri Simon Oraon is the recipient of numerous awards and honours. Unnat Krishi Samriddhi Kissan Agricultural Development Department, Govt. of Jharkhand honoured him with"Kissan Samman Patra" in 2004 on the occasion of the Foundation Day of Jharkhand. He received awards from Forest and Environment Department and the Agriculture and Sugarcane Development Department, Govt. of Jharkhand for forest preservation.